4,000 अध्यापकों की छटनी करने का निर्णय किया है ;

(ख) यदि हां, तो प्रस्तावित छटनी के क्या कारण है ;

(ग) क्या सरकार का विचार इन अध्यापकों की छटनी न होने देने के उद्देश्य से कोई कार्यवाही करने का है ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागवत झा आजाद) : (क) जी, नहीं ।

(ख) से (घ). प्रश्न नहीं उठते ।

साम्प्रदायिक दंगे

2282. श्री रामावतार शास्त्री : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1967 से जून, 1968 की अवधि में विभिन्न राज्यों में अलग-अलग कितनी बार साम्प्रदायिक दंगे हुए ;

(ख) उक्त अवधि में प्रति वर्ष राज्यवार कितनी बार साम्प्रदायिक दंगे हुए ;

(ग) कितने व्यक्ति मारे गये ;

(घ) दंगों में सम्पत्ति को कुल कितनी क्षति हुई ; और

(ङ) उपर्युक्त दंगों के सम्बन्ध में कितने व्यक्ति गिरफ्तार किये गये ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल): (क) से (ङ). पंजाब, हरयाणा, नागालैण्ड, उड़ीसा, तथा केन्द्र शासित प्रदेश मनीपुर, त्रिपुरा, अंदमान निकोबार द्वीप समूह, चण्डीगढ़, गोवा और दमन, लक्कादीव, मिनिकाय और अमिनदीव समूह, दिल्ली, दादरा और नगर हवेली, हिमाचल प्रदेश तथा नेफा में 1-1-67 से 30-6-68 के बीच कोई साम्प्रदायिक दंगे नहीं हुए ।

मैसूर में सन् 1967 में 1 व 1968 में 4 दंगे हुए थे । इन दंगों में किसी की मृत्यु नहीं हुई थी । इनमें अनुमान है लगभग 19,72,921 रुपयों की सम्पत्ति की हानि हुई थी । इन घटनाओं के संबंध में 846 व्यक्ति गिरफ्तार किये गये थे ।

अन्य राज्यों तथा केन्द्र प्रशासित अन्य राज्यों से सूचना एकत्रित की जा रही है ।

अन्दमान द्वीप समूह में बन्दी रखे गये क्रांतिकारियों का संघ

2283. श्री रामावतार शास्त्री : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या स्वतंत्रता आन्दोलन के दिनों में अंदमान जेल में बन्दी रखे गये क्रांतिकारियों ने कोई संगठन संघ बनाया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका नाम क्या है ;

(ग) क्या उस संगठन संघ से प्रधान मंत्री को कोई ज्ञापन प्राप्त हुआ है ;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) से (ङ) कलकत्ता स्थित "एक्स-अण्डमान पोलिटिकल प्रिजनर्स इंटरनिटी सर्कल" नामक एक संगठन से 8 अप्रैल, 1967 को प्रधान मंत्री को सम्बोधित दो अभ्यावेदन प्राप्त हुये । इन में एक अभ्यावेदन में ब्रिटिश शासन के दौरान पोर्टब्लेयर में स्थित सेलूलर जेल में बंदी रखे गये स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति के रूप में तथा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस एवं उनकी भारतीय राष्ट्रीय सेना के साथ अण्डमान तथा निकोबार के सम्बन्ध में स्मृति को जीवित रखने के लिए व्यवस्था करने के सुझाव दिये गये थे । दूसरे अभ्यावेदन में एक्स अण्डमान पोलिटिकल